# M.A. Hindi

## एम0 ए0 हिन्दी

Syllabus

**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**Duration:** Two Years
**Eligibility: Graduation**

**2017 Onwards**

DEPARTMENT OF HINDI

CH. DEVI LAL UNIVERSITY

SIRSA

| प्रथम सैमेस्टर | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| मूल पाठ्यकम | | | | | | |
| Sr. No. | Core | Paper Name | Credits | Theory | Internal Assessment | Total Marks |
| 1 | प्रथम पाठ्यकम | भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा | 4 | 70 | 30 | 100 |
| 2 | द्वितीय पाठ्यकम | हिन्दी साहित्य का इतिहास | 4 | 70 | 30 | 100 |
| 3 | तृतीय पाठ्यकम | आधुनिक गद्य–साहित्य | 4 | 70 | 30 | 100 |
| 4 | चतुर्थ पाठ्यकम | आधुनिक हिन्दी काव्य | 4 | 70 | 30 | 100 |
| वैकल्पिक पाठ्यक्रम | | | | | | |
| 5 | प्रथम वैकल्पिक पाठ्यकम | भारतेन्दु हरिश्चन्द्र | 4 | 70 | 30 | 100 |
| 6 | द्वितीय वैकल्पिक पाठ्यकम | जयशंकर प्रसाद | 4 | 70 | 30 | 100 |
| 7 | तृतीय वैकल्पिक पाठ्यकम | सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' | 4 | 70 | 30 | 100 |
| | | | | | | |

**Total credits required: 100 -112 (one credit = I hour)**

**Minimum attendance required : 75%**

**Open Elective: minimum credits required: 10-12 (students of this dept. will opt. for open elective from other departments.**

Students must submit their option for open elective course(s) within a week after the commencement of classes of first semester to the Chairperson of their department/Principal of the College, For 2nd /3rd/ 4th semester, they must submit their option for open elective course(s) at the end of 1st/2nd/3rd semester, respectively.

**The continuous evaluation for theory and practical course shall be as under:**

| (A) Theory Course Component | Weightage (4 Credits) | Weightage (3 Credits) | Weightage (2Credits) | Evaluation |
|---|---|---|---|---|
| Mid-term Exam | 20 | 15 | 10 | Internal |
| Assignment | 05 | 05 | 05 | Internal |
| Class Attendance | 05 | 05 | 05 | Internal |
| End-term Exam | 70 | 50 | 30 | External |
| Total | 100 | 75 | 50 | |

**Mid Term Examination: From first II units; October1-10 for odd Semesters and March 1-10 for even semester**

**The students must obtain at least 40 percent marks in external examination.**

July 04, 2017

मूल पाठ्यक्रम
प्रथम
भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मुल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 05 लघु प्रश्न पुछे जाएंगे; जिनमें से परीक्षार्थी को 05 का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रकृति, भाषा–व्यवस्था, भाषा–व्यवहार, भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अध्ययन की शाखाएँ, ध्वनि उत्पत्ति, ध्वनि यंत्र, ध्वनियों के भेद, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण

खण्ड–दो

वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार, अर्थ से अभिप्राय, शब्द एवं अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिषाएं।

खण्ड–तीन

प्राचीन भारतीय लिपियों का इतिहास, देवनागरी लिपि का उद्‌भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि के दोष

खण्ड–चार

वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना पाली, प्राकृत एवं अपभ्रंश की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, हिन्दी भाषा की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ, ब्रजभाषा की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, अवधी की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना।

प्रत्येक व्याख्या विकल्प सहित 05 अंक की होगी ।

पुस्तक सूची


1. सामान्य भाषा विज्ञान, लेखक बाबू राम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान की भूमिका, लेखक देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. समसामयिक भाषा विज्ञान, लेखक वैष्णा नारंग
4. हिन्दी भाषा का इतिहास, लेखक धीरेन्द्र वर्मा
5. हिन्दी शब्दानुशासन, लेखक पं0 किशोरीदास वाजपेयी
6. हिन्दी भाषा : उद्‌गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1997
7. हिन्दी : उद्‌भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965
8. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केन्द्रीय हिंन्दी संस्थान, आगरा, 1976
9. देवनागरी, देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरूक्षेत्र, 1990
10. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998


July 04, 2017

मूल पाठ्यक्रम
द्वितीय
हिन्दी साहित्य का इतिहास

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मुल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 05 लघु प्रश्न पुछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 05 का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

साहित्येतिहास से अभिप्राय, साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्येतिहास की पूर्वपीठिका एवं परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास का आदिकाल के नामकरण एवं काल–निर्धारण की समस्या, आदिकाल की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ

खण्ड–दो

(भक्तिकाल) के उद्भव एवं विकास के कारण, भक्तिकाल स्वर्णयुग क्यों है,? भक्तिकाव्य की चारों धाराओं की प्रवृत्तियाँ, भक्तिकाल की परिस्थितियाँ

खण्ड–तीन

रीतिकाल के नामकरण की समस्या, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य, रीतिकाल के कवियों का आचार्यत्व

खण्ड–चार

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद की प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद एवं नयी कविता की प्रवृत्तियाँ, साठोत्तरी काव्य की प्रवृत्तियाँ, हिन्दी नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी, जीवनी एवं आत्मकथा का उद्भव एवं विकास।

प्रत्येक व्याख्या विकल्प सहित 05 अंक की होगी ।

पुस्तक सूची


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक नागरीप्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी) 1961
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका, लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई, 1963
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लेखक डॉ. राम कुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग एक एवं दो) लेखक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थम कानपुर, 1975
7. स्वातंत्र्योतर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, (सम्पादक) नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाऊस, दिल्ली, 1973
9. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड) गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1989 एवं 1990
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिश्चन्द्र वर्मा एवं रामनिवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, 1982
11. हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास (दो खण्ड), रामप्रसाद मिश्र, सत्साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1998


July 04, 2012

मूल पाठ्यक्रम

तृतीय

आधुनिक गद्य–साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मुल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 05 लघु प्रश्न पुछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 05 का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

गोदान (उपन्यास)– प्रेमचन्द

खण्ड–दो

मैला आँचल (उपन्यास)– फणीश्वर नाथ रेणु

खण्ड–तीन

तेईस हिन्दी कहानियाँ

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

प्रत्येक व्याख्या विकल्प सहित 05 अंक की होगी ।

पुस्तक सूची


1. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1986
2. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल, गोपाल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1992
3. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987
4. उपन्यास का आँचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन, दिल्ली, 1985
5. 'मैला आँचल' की रचना–प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन,, दिल्ली, 1987
6. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकान्त पं. बांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ 1993
7. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी, 1960
8. हिन्दी निबन्ध के आलोक शिखर, जयनाथ 'नलिन' मनीषा प्रकाशन, दिल्ली, 1987
9. हिन्दी कहानी का इतिहास, लालचन्द गुप्त 'मंगल', संजीव प्रकाशन, कुरूक्षेत्र, 1988
10. हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002


July 04, 2017

मूल पाठ्यक्रम
चतुर्थ
आधुनिक हिन्दी काव्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मुल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 05 लघु प्रश्न पुछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 05 का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

सकेत– मैथिलीशरण गुप्त

खण्ड–दो

कामायनी– जयशंकर प्रसाद

खण्ड–तीन

रश्मिरथी– सुमित्रानंदन पन्त

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

प्रत्येक व्याख्या विकल्प सहित 05 अंक की होगी ।

पुस्तक सूची


1. साकेत : एक अध्ययन, डॉ0 नगेन्द्र
2. दिनकर : सृजन और चिंतन – डॉ0 रेणु व्यास
3. 'आँसू' : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
4. जयशंकर प्रसाद समग्र साहित्य– राजीव आनन्द
5. छायावाद युगीन काव्य: अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
6. प्रसाद और कामायनी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिगं हाऊस, दिल्ली, 1990
7. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1978
8. सुमित्रानंदन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्ट, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1951
9. काव्य भाषा : रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2001
10. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल, 2000
11. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लनराय, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक, 1982
12. नयी कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 1977
13. कविता और संघर्ष चेतना, यश गुलाटी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
प्रथम
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र,

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मुल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 05 लघु प्रश्न पुछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 05 का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र,– वन्दर सभा

खण्ड–दो

अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

खण्ड–तीन

भारतेन्दु ग्रन्थावली (प्रथम खण्ड)– निबंध

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

प्रत्येक व्याख्या विकल्प सहित 05 अंक की होगी ।

पुस्तक सूची –


1. भारतेन्दु ग्रन्थावली
2. काव्य संग्रह बन्दर सभा – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
3. अंधेर नगरी (प्रहसन) – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
4. भारत दुर्दशा (नाटक) – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
5. भारतेन्दु – युग और राष्ट्रीय नवजागरण – मुरली मनोहर प्रसाद सिंह
6. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य, डॉ. विरेन्द्र कुमार
7. भारतेन्दु का गद्य साहित्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. कपिलदेव दुबे
8. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. गोपीनाथ तिवारी
9. भारतेन्दु के निबन्ध, डॉ. केसरी नारायण शुक्ल
10. भारतेन्दु युग का नाट्य साहित्य और रंगमंच, डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसार।
11. भारतेन्दु साहित्य, डॉ. रामगोपाल चौहान
12. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र साहित्य और जीवन–दर्शन, डॉ. रमेश गुप्त

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
द्वितीय
जयशंकर प्रसाद

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मुल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 05 लघु प्रश्न पुछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 05 का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

आँसू काव्य – जयशंकर प्रसाद

खण्ड–दो

कामना, स्कन्दगुप्त(नाटक) – जयशंकर प्रसाद

खण्ड–तीन

आकाशदीप (कहानी संकलन) – जयशंकर प्रसाद

कंकाल (उपन्यास) – जयशंकर प्रसाद

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

प्रत्येक व्याख्या विकल्प सहित 05 अंक की होगी ।

पुस्तक सूची –


1. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता – प्रभाकर श्रोत्रिय
2. जयशंकर प्रसाद काव्य में बिम्ब योजना – रामकृष्ण अग्रवाल
3. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1961
4. कामायनी : एक सह–चिन्तन, वचनदेव, कुमार एवं दिनेश्वर प्रसाद, क्लासिक पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली, 1983
5. कामायनी–अनुशीलन, रामलाल सिंह, इण्डियन प्रैस, लिमिटेड, प्रयाग, 1975
6. प्रसाद का साहित्य, प्रभाकर श्रोत्रिय, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1975
7. जयशंकर प्रसाद, रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1977
8. प्रसाद का नाट्य साहित्य, परम्परा और प्रयोग, हरिश्चन्द्र प्रकाशन प्रतिष्ठान, मेरठ : प्रथम संस्करण
9. लहर–सौन्दर्य, सत्यवीर सिंह, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1977
10. प्रसाद का गद्य–साहित्य, राजमणि शर्मा, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982


July 04, 2012

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
तृतीय
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मुल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 05 लघु प्रश्न पुछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 05 का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

राग विराग

खण्ड–दो

साहित्य साधना (भाग–एक, लेखक रामविलास शर्मा)

खण्ड–तीन

कहानी संग्रह – सुकुल की बीवी

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित व्याख्या

प्रत्येक व्याख्या विकल्प सहित 05 अंक की होगी ।

पुस्तक सूची –


1. निराला की साहित्य साधना (भाग एक)
2. सुकुल की बीवी (कहानी संग्रह) – निराला
3. राग विराग – निराला (काव्य)
4. निराला का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. निराला का साहित्य और साधना, विष्वम्भरनाथ उपाध्याय, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. महाकवि निराला, काव्यकला, डॉ. विष्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
7. निराला का अलक्षित अर्थ–गौरव, शशिभूषण शीतांशु, सरस्वती प्रैस, इलाहाबाद
8. निराला का कथा साहित्य, कुसुम वार्ष्णेय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद
9. निराला के काव्य में विम्ब और प्रतीक, वेदव्रत शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
10. निराला और उनका तुलसीदास, रामकुमार शर्मा, पद्म बुक कम्पनी, जयपुर


July 04, 2017